RNI : UAHIN/25/A3210

# आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

वर्षः 01 | अंकः 11 देहरादून, शुक्रवार 26 जून 2026 | मूल्य 2 रुपये | पृष्ठः 8 | www.aawamindia.com

# उत्तराखंड में घुसे निहंग, तोड़ी बैरिकेडिंग, पुलिस को दिया चकमा

हरबर्टपुरः कुल्हाल चेक पोस्ट पर बैरिकेडिंग तोड़कर निहंग उत्तराखंड की सीमा में घुस गये। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने धर्मावाला से बढ़ते निहंग सिखों के जत्थे को रोकने के लिए प्रेमनगर में बैरिकेडिंग लगायी थी लेकिन निहंग उस रास्ते पर नहीं आये और पुलिस को निहंग सिखों की लोकेशन ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर रात पूरे जिले की पुलिस और अन्य फोर्स सहित डीएम और एसएसपी भी मौके पर तैनात रहे और कई बार निहंगों से वार्ता की गयी। बताया गया है कि देर रात पटेलनगर क्षेत्र से उन्हें वापिस भेज दिया गया। इस तरह कई घंटों तक तनातनी चलती रही।

चमोली जिले के कर्णप्रयाग में निहंग सिखों का जत्था चंडीगढ़ से हिमाचल के रास्ते उत्तराखंड 16 जून को हुए निहंग सिखों और स्थानीय लोगों के विवाद के बाद बृहस्पतिवार को करीब 200 निहंग सिखों का जत्था चंडीगढ़ से हिमाचल के रास्ते उत्तराखंड पहुंचा। जहां कुल्हाल चौक पोस्ट पर निहंगों को पुलिस-प्रशासन ने बैरियर लगाकर रोका था। निहंग हाथ में तलवार लहराये हेमकुंड साहिब जाने की जिद पर अड़े थे और ये मांग कर रहे थे कि बीते दिनों गिरफतार किये गये निहंगों को रिहा किया जाये। चेक पोस्ट और पांवटा साहिब गुरुद्वारे में करीब दो घंटे तक प्रशासन और निहंग सिखों के बीच हुई वार्ता हुई लेकिन वो बेनतीजा रही। इस बीच कुछ निहंग लौट गए, जबकि 20 से 30 निहंग पुलिस को चकमा देकर उत्तराखंड की सीमा में घुस गये। जिन्हें रोकने के लिए प्रेमनगर में भारी पुलिस बल के बीच बैरिकेडिंग लगाया गया था लेकिन निहंग प्रेमनगर पहुंचे ही नही थे। इन दो घंटे में स्थानीय लोगों की भी सांसे थमी रहीं। धर्मावाला से निहंगों के दून की ओर बढ़ने की सूचना के बाद प्रेमनगर क्षेत्र में तेजी से बढ़ती पुलिस की आवाजाही से स्थानीय लोगों ने दुकानें बंद करना शुरू कर दिया और चौक पर इकट्ठा होने लगे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था।

पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर चौक और मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग बढ़ा दी। स्थानीय लोगों का मानना था कि प्रेमनगर हाईवे पर एक साथ इतना बड़ा पुलिस जमावड़ा पहले कभी नहीं देखा गया।

### जांच हरिद्वार पहुंचे पर यूकेडी ने उठाये थे सवाल

नगरासू गुरुद्वारा प्रकरण में कथित रूप से शामिल निहंग यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने और विवाद मामले की जांच हरिद्वार स्थानांतरित किए जाने और पर यूकेडी ने आपत्ति जताई थी। बुधवार को पत्रकार वार्ता में यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय प्रवक्ता अरुण नेगी ने कहा था कि कर्णप्रयाग में हुई घटनाओं के संबंध में दोनों पक्षों द्वारा तहरीर दी गई है, ऐसे में जांच को जिले से बाहर स्थानांतरित करना कई सवाल खड़े करता है। नेगी ने कहा कि पथराव और शांति व्यवस्था प्रभावित करने जैसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अराजकता फैलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के प्रति प्रशासन का रवैया नरम दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन ने मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की तो यूकेडी प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी।

हमारी सरकार के प्रभावी प्रबंधन के परिणामस्वरूप अब तक 40 लाख से अधिक श्रद्धालु चारधाम यात्रा के पावन दर्शन कर चुके हैं। देवभूमि उत्तराखंड की पवित्रता और आस्था को अक्षुण्ण रखते हुए सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित की जा रही है। सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि यात्रा की गरिमा एवं देवभूमि की पवित्रता को बनाए रखते हुए स्वच्छता, अनुशासन और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

**पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड**

निंहग सिखों के बैरियर तोड़ने की सूचना के बाद जिलेभर में पुलिस को अलर्ट किया गया था। पहले प्रेमनगर से उनके देहरादून पहुंचने की सूचना थी। वहां पुलिसबल भेजा गया लेकिन निहंग सिक्खों ने दूसरे रास्ते से शहर में प्रवेश करने की कोशिश की। पटेलनगर क्षेत्र से उन्हें वापिस भेज दिया गया है।

**प्रेमेंद्र डोबाल, एसएसपी देहरादून**

हम हमारे सिंह हमें नहीं मिलेंगे हम यहां से वापिस नहीं जायेंगे। हमारी मांग बस इतनी है कि हम यात्रा करना चाहते हैं और जिन उत्तराखंडवासियों के साथ लड़ायी हुई हैं उनसे रिक्वेस्ट करते हैं कॉम्प्रोमाइज करते हैं। जब हम लड़ाई नहीं लड़ना चाहते। हम प्यार बढ़ाना चाहते हैं। गलती इनकी तरफ से हुई। हमारी तरफ से नहीं हुई पर फिर भी हम गलती मानते हैं और सिंहों की तरफ से माफी मांगते हैं। इस मामले को खत्म किया जाये। हम लड़ाई करके माहौल खराब नहीं करना चाहते।

**निहंग सिख**

## क्या था मामला

16 जून मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे बदरीनाथ हाईवे पर कर्ण मंदिर के पास हेमकुंड साहिब से लौट रहे सिख युवकों के दोपहिया वाहन से एक युवक को टक्कर लगने पर विवाद हो गया। विवाद और कहासुनी बढ़ने पर युवकों ने तलवारों से हमलाकर दिया जिससे सिख युवक और छह स्थानीय लोग घायल हो गए थे। दो की हालत गंभीर हो गयी थी। एक युवक को हेली एंबुलेंस से हायर सेंटर और दूसरे को बेस अस्पताल श्रीनगर भेजा गया। पुलिस ने इस मामले में चार सिख युवकों को हिरासत में लिया था। इनमें से एक घायल (मनप्रीत) का उपचार पुलिस की कस्टडी में हो रहा है। घटना से नाराज लोगों ने चार घंटे तक हाईवे पर जाम लगा दिया था।

# सनातन संस्कृति के संरक्षण में संत समाज का योगदान अतुलनीय : सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हरि सेवा आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं

विशाल संत सम्मेलन में प्रतिभाग करते हुए पूज्य संत-महात्माओं का अभिनंदन

किया तथा आश्रम द्वारा किए जा रहे सेवा, संस्कार एवं समाज जागरण के कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं जीवन के वास्तविक उद्देश्य से जोड़ने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने संत समाज को भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र चेतना का संवाहक बताते हुए कहा कि इतिहास में संतों एवं मनीषियों ने समाज को मार्गदर्शन देने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संत समाज का योगदान अतुलनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए युग का साक्षी बन रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक तथा श्री केदारनाथ धाम के पुनर्विकास जैसे कार्य भारत की आध्यात्मिक विरासत को नई ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अस्मिता, आध्यात्मिक पहचान एवं सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है।

इसी उद्देश्य से राज्य में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता तथा भू-कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से जोड़ने के लिए दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की स्थापना की गई है, जहां भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं सभ्यता पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं शोध कार्य किए जाएंगे। हरिद्वार में प्राच्य शोध संस्थान की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिचेतानन्द जी महाराज का आभार व्यक्त करते हुए संत समाज से राज्य एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों के आशीर्वाद और जनसहयोग से उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प को अवश्य पूर्ण किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूड़ी भूषण, कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, प्रदीप बत्रा, संतगण एवं अन्य गणमान्य मौजूद थे।

# सीएम हेल्पलाइन 1905 पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

संवाददाता

चमोली। जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक

त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा अधिकांश मामलों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कराया। जनता मिलन में लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, विद्युत, स्वास्थ्य, पर्यटन, वन विभाग, पेयजल, सड़क संपर्क, पुल निर्माण एवं अन्य जनसुविधाओं से संबंधित कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुईं। दशोली निवासी सुलोचना देवी ने मृतक आश्रित कोटे में स्वयंसेवक पद पर नियुक्ति संबंधी प्रकरण उठाया, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। जोशीमठ निवासी कुंवर सिंह द्वारा भवन निर्माण मानचित्र स्वीकृति की अवधि बढ़ाने संबंधी शिकायत पर मुख्य विकास अधिकारी ने प्राधिकरण के अधिकारियों को नियमानुसार समयावधि विस्तार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। देवर निवासी कुशल सिंह पंवार द्वारा वृक्ष पातन से संबंधित शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर वन विभाग को जांच प्रारंभ कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए वृक्ष पातन के निर्देश दिए गए। बासवाड़ा निवासी अषाड़ी देवी की सोलर लाइट संबंधी शिकायत पर उरेडा विभाग को आवश्यक कार्यवाही करते हुए सोलर लाइट स्थापित करने के निर्देश दिए गए। बंशी लाल पुत्र स्व. छवि लाल की पेंशन संबंधी शिकायत पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को स्पर्श पोर्टल पर सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर एक सप्ताह के भीतर पेंशन संचालित करने के निर्देश दिए गए। भूतपूर्व सैनिक गोपाल दास द्वारा मार्ग संबंधी समस्या उठाए जाने पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोपेश्वर को मार्ग पर स्थित नाले के ऊपर स्लैब निर्माण कर आवागमन सुचारू करने के निर्देश दिए गए।

नंदप्रयाग निवासी पुष्पा देवी की शौचालय से संबंधित समस्या पर जिला विकास अधिकारी एवं स्वजल विभाग को आवश्यक धनराशि हस्तांतरित कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनपद के वॉल फिटर प्रतिनिधि मंडल द्वारा पारिश्रमिक संबंधी समस्या उठाए जाने पर अधिशासी अभियंता जल संस्थान को प्रकरण शासन एवं मुख्यालय स्तर पर प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य उपलब्ध प्रावधानों के तहत भी परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1905 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, यूपीसीएल, जल संस्थान, जल निगम, श्रम, आबकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# सभी समुदायों के प्रति सम्मान और निष्पक्ष कार्रवाई के लिए पुलिस एवं प्रशासन प्रतिबद्ध

रुद्रप्रयाग। प्रदेश में संचालित श्री हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सम्मान एवं यात्रा की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखण्ड पुलिस एवं प्रशासन निरंतर तत्परता से कार्य कर रहे है। इसी क्रम में जनपद चमोली के कर्णप्रयाग क्षेत्र में गत दिनों हुई विवाद एवं मारपीट की घटना के संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र श्री राजीव स्वरूप ने अवगत कराया कि दिनांक 16 जून, 2026 को जनपद चमोली के कर्णप्रयाग क्षेत्र में सिख श्रद्धालुओं एवं स्थानीय व्यक्तियों के मध्य हुए विवाद एवं उसके पश्चात घटित मारपीट की घटना के संबंध में पुलिस मुख्यालय स्तर पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। यह निर्णय पुलिस महानिरीक्षक द्वारा प्रेषित विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर लिए गए हैं, जिससे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र जांच सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि उक्त घटना के उपरांत सिख श्रद्धालुओं के विरुद्ध थाना कर्णप्रयाग में एक अभियोग पंजीकृत किया गया था। वहीं, घटना में घायल हुए एक सिख श्रद्धालु के पिता द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर उनके साथ कथित मारपीट करने वाले अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध दिनांक 20 जून, 2026 को थाना कर्णप्रयाग में एक अन्य प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। मामले की संवेदनशीलता एवं दोनों पक्षों के प्रति न्यायसंगत दृष्टिकोण अपनाने के उद्देश्य से थाना कर्णप्रयाग में पंजीकृत दोनों अभियोगों की विवेचना जनपद चमोली से स्थानांतरित कर जनपद हरिद्वार को सौंप दी गई है। इन विवेचनाओं का पर्यवेक्षण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार श्री नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा किया जाएगा, जिससे जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी ढंग से संपादित हो सके। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सिख संगठनों द्वारा सिख श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय पुलिस के कथित आचरण एवं व्यवहार को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच भी पुलिस मुख्यालय द्वारा गंभीरता से ली गई है। इस संबंध में पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) श्री यशवंत सिंह चौहान को जांच अधिकारी नामित करते हुए दो सप्ताह के भीतर विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र ने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस सभी धर्मों, समुदायों एवं श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का पूर्ण सम्मान करती है तथा प्रत्येक मामले में कानून के अनुरूप निष्पक्ष, पारदर्शी एवं न्यायसंगत कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि श्री हेमकुंड साहिब यात्रा देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी अत्यंत पवित्र यात्रा है, जिसका संचालन उत्तराखण्ड पुलिस एवं प्रशासन के समन्वित प्रयासों से सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा है।

# नकल माफिया ने युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला

देहरादून। आज महानगर कांग्रेस कमेटी देहरादून द्वारा शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार, लगातार हो रहे पेपर लीक, परीक्षाओं के निरस्तीकरण, भर्ती प्रक्रियाओं




में देरी और बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने संबोधित किया।

महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि देश और प्रदेश का युवा आज गहरे संकट से गुजर रहा है। वर्षों की मेहनत और सपनों के सहारे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र बार-बार प्रश्नपत्र लीक, परीक्षाओं के रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब के कारण मानसिक तनाव, असुरक्षा और निराशा का सामना कर रहे हैं। नकल माफिया और भ्रष्टाचार के कारण युवाओं का सरकारी नौकरियों और परीक्षा प्रणाली से विश्वास उठता जा रहा है। उत्तराखंड में भी भर्ती घोटालों और पेपर लीक के मामलों ने लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। आज स्थिति यह है कि मेहनत करने वाले युवाओं को अपनी योग्यता से अधिक सिस्टम की विफलताओं से लड़ना पड़ रहा है। देहरादून की होनहार छात्रा रिया कुमारी थापा की दुखद आत्महत्या पूरे समाज को झकझोर देने वाली घटना है। रिया ने नीट परीक्षा दी थी, लेकिन पेपर लीक और उससे उपजे असमंजस तथा तनाव के बीच उसने यह दुखद कदम उठाया। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं है, बल्कि उस असंवेदनशील व्यवस्था का आईना है, जिसने युवाओं को निराशा और अवसाद के गर्त में धकेल दिया है। अब तक देश में अनेक छात्र-छात्राएं परीक्षा संबंधी तनाव और अनिश्चितता के कारण आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हुए हैं। कांग्रेस पार्टी मानती है कि यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है। जब बार-बार परीक्षाएं रद्द होती हैं, प्रश्नपत्र लीक होते हैं और नकल माफिया सक्रिय रहते हैं, तब युवाओं के मन में यह भावना पैदा होती है कि मेहनत और प्रतिभा का कोई मूल्य नहीं रह गया है। इससे सरकारी संस्थाओं की विश्वसनीयता कमजोर हो रही है और लाखों युवाओं का मनोबल टूट रहा है। प्रदेश में एक तरफ भाजपा सरकार सखघ्त नकल विरोधी कानून की बात करती है और दूसरी तरफ पटवारी परीक्षा का पेपर भी लीक जो जाता है। डॉ प्रतिमा सिंह ने कहा कि 2017 से अब तक भाजपा सरकार एक भी पेपर ऐसा नहीं करा पायी जिसने धांधली ना हुई हो, इसकी सबसे बड़ी वजह पेपर लीक का मास्टरमाइंड हाकम सिंह का सरकार की कमजोर पैरवी की वजह से रिहा होना है, उसके रिहा होते ही एक पेपर और लीक हो जाता है, हाकम सिंह का हाकिम कौन है ये अब तक पता नहीं चला क्यूँकि सरकार नहीं चाहती कि असली गुनहगार सामने आए क्यूँकि वो सत्ता में बैठे लोगों में से एक है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी के कोटा दौरे से कई महत्वपूर्ण बातें सामने आई जिसमे सबसे चौकाने वाली बात ये हैं की सरकार का शिक्षा बजट से तीन गुना खर्च कोटा में लाखों छात्र महज पाँच परीक्षाओं की तैयारी में खर्च कर रहे हैं। छज्। का गठन 2017 मे हुआ था तब से लेकर अब तक 89 परीक्षा के पेपर लीक की घटनाएं हों चुकी है जिसमे 49 पेपर्स दुबारा कराए गए हैं जिससे बच्चों का मनोबल गिरा है। कांग्रेस पार्टी युवाओं की आवाज को बुलंद करने के लिए उनके साथ खड़ी है और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली किसी भी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी। पत्रकार वार्ता में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र भंडारी प्रवक्ता डॉ प्रतिमा सिंह अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल उपस्थित रहे।

# पेंशन, ऋण और महिला कल्याण पर विशेष जोर

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशों के क्रम में आज पटेल नगर स्थित संजय कॉलोनी के वाल्मीकि मंदिर परिसर में एक विशेष कल्याणकारी शिविर



का आयोजन किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सफाई कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से सीधे लाभान्वित करना था। शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों ने स्टॉल लगाकर मौके पर ही आमजन की समस्याओं का निस्तारण किया और पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ प्रदान किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पहुँचने वाले 95 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जाँच के बाद मरीजों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क औषधियां भी वितरित की गईं।

समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित विभिन्न पेंशन और ऋण योजनाओं के अंतर्गत 300 से अधिक लाभार्थियों को न केवल विस्तृत जानकारी दी गई, बल्कि मौके पर ही उनके आवेदन पत्र भी भरवाए गए। इसके अतिरिक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण व पोषण के उद्देश्य से 2 महालक्ष्मी किट, 5 किशोरी किट और 2 गोद भराई किट का वितरण किया गया। शिविर के मुख्य आकर्षण के रूप में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (।स्प्डब्) के सौजन्य से 45 वृद्धजनों को 130 सहायक उपकरण प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि कैंट विधायक श्रीमती सविता कपूर ने अपने कर-कमलों से बुजुर्गों को ये उपकरण सौंपे। कैंट विधायक सविता कूपर ने कहा कि ''समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित यह शिविर अत्यंत सराहनीय है। इसके माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर बैठे पात्र लाभार्थियों एवं वंचित वर्ग के लोगों तक शासन की योजनाओं का सीधा लाभ पहुँच रहा है। जनहित के ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखा जाना चाहिए।'' शिविर में सहायक प्रबंधक दिगंबर सजवाण, क्षेत्रीय पार्षद डोली रानी मोहन, विशाल बिरला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

# त्रयोदशी संस्कार में सम्मिलित हुये केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

देहरादून। प्रख्यात निशानेबाज एवं पद्मश्री से सम्मानित स्वर्गीय जसपाल राणा की श्रद्धांजलि सभा (त्रयोदशी संस्कार) में सम्मिलित होने के लिए आज केंद्रीय रक्षा



मंत्री राजनाथ सिंह उत्तराखंड पहुंचे जहां सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनसे भेंट की। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एव मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मझौन, देहरादून में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निशानेबाज, पद्मश्री से सम्मानित स्व. जसपाल राणा के त्रयोदशी संस्कार में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। स्व. जसपाल राणा ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा, अनुशासन और समर्पण से भारतीय निशानेबाजी को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। राष्ट्र और राज्य के गौरव को बढ़ाने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मझौन, देहरादून में प्रसिद्ध निशानेबाज एवं पद्मश्री स्वर्गीय जसपाल राणा के त्रयोदशी संस्कार में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वर्गीय जसपाल राणा के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। साथ ही उन्होंने परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा भगवान से इस दुःख की घड़ी में परिवार को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा, खजान दास, सांसद डॉ. महेश शर्मा, अजय भट्ट, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, विधायक पंकज सिंह एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

## रक्षा सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार समिति की 15वीं बैठक आयोजित

नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में रक्षा सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार समिति (डीआईटीसीसी) की 15वीं बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) द्वारा आयोजित इस बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता और अत्याधुनिक उपकरणों को समयबद्ध तरीके से अपनाने पर जोर दिया गया। बैठक में युद्ध के बदलते स्वरूप में रक्षा सेवाओं में विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर विषय विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर विचार-विमर्श किया गया। सलाहाकर समिति के सदस्यों ने उन्नत चिप निर्माण के स्वदेशीकरण, संप्रभु ऑपरेटिंग सिस्टम और डेटाबेस के विकास तथा रक्षा आवश्यकताओं के लिए डेटा केंद्रों के रणनीतिक स्थान निधारण जैसे कई प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की।

# सम्पादकीय

## सुरक्षा के मानकों पर कितने खरे कोचिंग सेंटर

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड देशभर में एक सबक और अलार्म है। किस तरह मानकों की अनदेखी होती है। किस तरह कॉम्पैक्ल्स बनते जा रहे हैं। संकीर्ण गलियां, बंद खिड़कियां, वेंटिलेशन को तरसते कमरे और बेतहाशा भीड़ अमूमन कोचिंग सेंटर की पहचान बन रहे हैं। सरकार अपने स्तर पर सर्वे करायेगी, सुरक्षा के मानकों को चेक करेगी। हो सकता है कि कहीं ताले भी लटकाये लेकिन एक अभिभावक के तौर पर हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि एक दिशा में भाग रही भीड़ का हिस्सा ना बने। जहां अपने बच्चें को काबिल करने के लिए भेज रहे हैं वहां स्वयं सुरक्षा के मानकों पर विशेष ध्यान दे। कुछ कॉमन से सवाल आपके साथ साझा कर रहा हूं जिनका जवाब कोचिंग सेंटर में अपने बच्चें को छोड़ते समय मालूम होने चाहिए। क्या कोचिंग संस्थान पंजीकृत है? क्या भवन सुरक्षित है? क्या अग्निशमन यंत्र उपलब्ध हैं और आग से बचने के क्या साधन है? क्या आपातकालीन निकास द्वार मौजूद हैं? क्या विद्यार्थियों की संख्या नियंत्रित है? क्या सुरक्षा के सबंध में प्रशिक्षण दिया जाता है? क्या मानसिक स्वास्थ्य सहायता भी उपलब्ध है? ईश्वर ना करे कोई पैनिक समस्या आती है तो किस तरह उसका निराकरण किया जायेगा? ये कौमन से सवाल है लेकिन बहुत आवश्यक हैं।

दरअसल आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कोचिंग सेंटर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। बड़े शहरों में तो 10 कक्षा से पहले ही लोग अपने बच्चों को प्रतियोगी परिक्षाओं की कोचिंग के लिए भेजना शुरू कर देते हैं। 12 कक्षा के बाद तो ये चलन बन गया है कि कोंचिंग बहुत आवश्यक है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, सिविल सेवा, बैंकिंग, विद्यालयी शिक्षा और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लाखों विद्यार्थी प्रतिदिन कोचिंग संस्थानों का रुख करते हैं। छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक कोचिंग उद्योग तेजी से फैल रहा है। लेकिन शिक्षा के इन केंद्रों में हालांकि सभी नहीं लेकिन एक गंभीर समस्या लगातार सामने आ रही है, वह समस्या सुरक्षा मानकों की भारी कमी है।

लखनऊ कोचिंग सेंटर के अग्किांड ने हमारे 15 मासूम बच्चों को हमसे छीन लिया और इनमें से अधिकतर मौत दम घुटने से हुई है। यानि सिर्फ अग्निशमन यंत्र ही नहीं पूर्ण वेंटिनलेशन की भी कमी थी। अक्सर ये देखा भी गया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में कोचिंग सेंटरों में आग लगने, भवन ढहने, बिजली के शॉर्ट सर्किट, भीड़भाड़, अपर्याप्त निकासी मार्ग और आपातकालीन व्यवस्थाओं के अभाव जैसी घटनाएं सामने आयी हैं।

ये कहने में कोई दो राय नहीं है कि भारत में कोचिंग उद्योग हजारों करोड़ रुपये का व्यवसाय बन चुका है। बड़े शहरों में बहुमंजिला इमारतों के छोटे-छोटे कमरों में सैकड़ों विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाया जाता है और शायद ही कोई इस ओर ध्यान देता है कि संस्थान के पास पोल्यूशन बोर्ड और अग्निशमन प्रमाणपत्र मौजूद है या नहीं। कई संस्थान तो ऐसे होते हैं जहां पतली सी संकरी सीढ़ी होती है यानि दो लोग भी एक साथ निकल नहीं पाते हैं और एक ही भवन में कई कोचिंग संस्थान चल रहे होते हैं, जहाँ प्रवेश और निकास के लिए केवल एक संकरा रास्ता होता है।

सिर्फ इतना ही नहीं सुरक्षा केवल शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक भी होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव विद्यार्थियों में तनाव, चिंता और अवसाद को जन्म दे रहा है। हाल ही में दो बच्चों की आत्महत्या ने देश को झकझोर दिया है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में एक मानसिक दबाव बढ़ रहा है। लंबे अध्ययन घंटे, अत्यधिक होमवर्क, लगातार टेस्ट और असफलता का डर हमारे बच्चों को मानसिक बीमार कर रहा है और शायद ही कोचिंग संस्थानों में मनोवैज्ञानिक परामर्श मिलता हो। पर ये मेरा व्यक्गित मत है कि हमें अपनी शिक्षा का स्तर बढ़ाना होगा। आखिर क्यों स्कूली शिक्षा किसी प्रतियोगी परीक्षा को पास करने के लिए काफी नहीं हो रही है। ये कोचिंग के नाम का अतिरिक्त प्रयास क्यों आवश्यक हो गया है। ये कौन सी दौड़ है जिसके पीछे हम सब भाग रहे हैं। क्यों हम परीक्षाओं को साल-दर-साल कठिन और ज्यादा कठिन बनाते जा रहे हैं। ये कट ऑफ का क्या खेल हैं। हम कौन सी पौध तैयार कर रहे हैं और इससे क्या हासिल हो रहा है। क्या हम उस आंकड़े पर ध्यान नहीं देते हैं कि हर साल बड़ी तादाद में भारत जैसे विशाल देश के बच्चे जो उस तथाकथित कट ऑफ से नीचे रह जाते हैं। वो मिडिल एशिया, नार्थ एशिया यहां तक कि बांग्लादेश तक मेडिकल की पढ़ाई करने जाते हैं। वहां एक बड़ा मेडिकल का बिजनेस चल रहा है और यहां वापिस आकर मेडिकल कांउसिल की परीक्षा के लिए सालों परेशान रहते हैं। अवसाद में रहते हैं। छोटी-मोटी नौकरी करने को मजबूर रहते हैं। मैं किसी प्रणाली को चेलेंज नहीं कर रहा हूं। पर मेरा व्यक्तिगत मानना है कि हमें अपनी शिक्षा के स्तर को रिफॉर्म तो करना होगा। अपने बच्चों को इस अंधी दौड़ से बचाना होगा। शिक्षा को उद्देश्य काबिल बनाना होना चाहिए ना कि परीक्षा में सफलता के आधार पर मानक तय होने चाहिए।

# सुल्ताना डाकू : सामाजिक-आर्थिक विषमता के खिलाफ एक विद्रोही चेहरा

**डॉ नितिन उपाध्याय**
संयुक्त निदेशक सूचना

सन 1923 की एक धुंधली सर्द रात। कुमाऊं की पहाड़ियों और तराई के घने जंगलों के बीच बसे एक आलीशान ब्रिटिश बंगले के बाहर सन्नाटा था। अचानक एक हरकारा दौड़ता हुआ आता है और साहब बहादुर के टेबल पर एक बंद लिफाफा रख देता है। कांपते हाथों से खोले गए उस खत में बड़े ही सलीके से, लेकिन साफ शब्दों में लिखा था, 'साहब, आपके घर पर ठीक परसों रात बारह बजे मैं आ रहा हूं। अपनी पूरी सुरक्षा तैयार रखिएगा।' नीचे दस्तखत थे- 'सुल्ताना'। कोई आम अपराधी होता तो अपनी जान बचाने के लिए अंधेरे का फायदा उठाता, लेकिन यह सुल्ताना था, जो डकैती डालने से पहले बाकायदा वक्त और तारीख का अल्टीमेटम भेजा करता था। ब्रिटिश हुकूमत की नाक के नीचे चुनौती देकर माल साफ कर देना और फिर तराई के जंगलों में ओझल हो जाना, उसकी रोजमर्रा की आदत बन चुकी थी।

सुल्ताना डाकू, जिसे इतिहास केवल एक 'खूंखार डकैत' के रूप में दर्ज करना चाहता था, वास्तव में औपनिवेशिक उत्पीड़न और सामाजिक-आर्थिक विषमता के खिलाफ जन्मा एक विद्रोही चेहरा था। उसकी इस बगावत के पीछे छिपी क्रूर सच्चाई को समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे, ब्रिटिश काल के एक काले कानून की ओर मुड़ना होगा। सन 1871 में अंग्रेजों ने एक बेहद अमानवीय कानून लागू किया था, जिसे 'क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट' (Criminal Tribes Act) कहा जाता था। इस कानून के तहत भारत की कुछ चुनिंदा जातियों और जनजातियों को 'जन्मजात अपराधी' घोषित कर दिया गया था। सुल्ताना का जन्म उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के हरथला गांव में श्भांतू समुदायश में हुआ था, जो इस काले कानून का सबसे बड़ा शिकार था।

भांतू समुदाय के लोगों को इंसानों की तरह जीने का हक नहीं था। उन्हें नजीबाबाद के किले जैसे विशेष सेटलमेंट कैंपों यानी एक तरह के बंदी गृहों में कड़े पहरे के बीच रखा जाता था। जहां बुनियादी अधिकारों का हनन, अमानवीय यातनाएं और जबरन धर्मांतरण के प्रयास रोज की बात थे। इसी दमघोंटू और दमनकारी व्यवस्था के खिलाफ मात्र 17 साल की उम्र में एक नवयुवक का खून खौल उठा। वह व्यवस्था के आगे घुटने टेकने के बजाय बागी बन गया और जंगलों की राह पकड़ ली। यहीं से शुरुआत हुई सुल्ताना डाकू के उस दौर की, जिसने अंग्रेजों को हिलाकर रख दिया।

मशहूर इतिहासकार एरिक हॉब्सबॉम ने अपनी कालजयी पुस्तक 'बैंडिट्स' में 'सोशल बैंडिट' या सामाजिक डकैती का एक अनूठा सिद्धांत दिया है। इस सिद्धांत के अनुसार, जब कोई व्यक्ति कानून की नजर में अपराधी होता है, लेकिन अपनी जनता की नजर में रक्षक और मसीहा होता है, तो वह सामाजिक डाकू कहलाता है। सुल्ताना इस परिभाषा का सबसे सटीक और जीवंत उदाहरण था। वह खुद को महाराणा प्रताप का परम अनुयायी मानता था और उन्हीं के पदचिह्नों पर चलने का दावा करता था। शौर्य और वफादारी के

प्रति अपनी इसी दीवानगी के कारण उसने अपने प्रिय घोड़े का नाम 'चेतक' रखा था, जो बिजली की गति से दौड़ता था। वहीं, अंग्रेजों की 'राय बहादुर' जैसी चाटुकारिता पूर्ण उपाधियों पर तंज कसते हुए उसने अपने सबसे वफादार शिकारी कुत्ते का नाम 'राय बहादुर' रख दिया था।

सुल्ताना के गिरोह का एक कड़ा नियम था , अमीरों, भ्रष्ट जमींदारों और अंग्रेजों को जी भरकर लूटो, लेकिन किसी गरीब, असहाय या महिला पर कभी हाथ मत उठाओ। वह मालगाड़ियों, सरकारी खजानों और अंग्रेजों का तलवा चाटने वाले स्थानीय नवाबों को निशाना बनाता था। लूट में जो भी धन-दौलत मिलती, उसका एक बड़ा हिस्सा वह तराई के निर्धन ग्रामीणों, बेसहारों और गरीब लड़कियों की शादियों में बांट देता था। यही वजह थी कि ब्रिटिश पुलिस जब उसे ढूंढने जंगलों में जाती, तो स्थानीय जनता पुलिस को गुमराह कर देती और सुल्ताना की ढाल बन जाती थी। जनता के इसी अभूतपूर्व समर्थन के बूते 1922 तक सुल्ताना का गिरोह कोई मामूली झुंड नहीं, बल्कि 100 से 300 बंदूकधारियों की एक समानांतर फौज बन चुका था।

नैनीताल, कुमाऊं की पहाड़ियां, रामनगर और नजीबाबाद के घने जंगलों में सुल्ताना का सिक्का चलता था। हालत यह थी कि तराई के इलाकों में पुलिस चौकियां शाम ढलते ही अपने दरवाजे अंदर से बंद कर लेती थीं। इस बढ़ते सिरदर्द से बौखलाकर ब्रिटिश सरकार ने सुल्ताना को जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए एक श्स्पेशल टास्क फोर्सश का गठन किया। इस टीम की कमान सौंपी गई उस समय के सबसे चालाक और खूंखार ब्रिटिश पुलिस अधिकारी फ्रेडी यंग (Freddy Young) को। फ्रेडी यंग को 300 बख्तरबंद जवान और 50 कुलीन घुड़सवार दिए गए। लेकिन तराई के जंगलों और दलदलों का भूगोल इतना पेचीदा था कि अंग्रेजों के पैर उखड़ गए। आखिरकार, अंग्रेजों को मदद लेनी पड़ी उस दौर के सबसे महान ट्रैकर और शिकारी जिम कॉर्बेट (Jim Corbett) की। कॉर्बेट जंगलों की नब्ज पहचानते थे, और उनकी मदद से सुल्ताना के ठिकानों की घेराबंदी शुरू हुई।

महीनों चले इस चूहे-बिल्ली के खेल का अंत आखिरकार अपनों की ही मुखबिरी और एक बड़े संयुक्त सैन्य ऑपरेशन के कारण हुआ। हल्द्वानी के पास घने जंगलों में सुल्ताना को घेरकर गिरफ्तार कर लिया गया। उसे भारी सुरक्षा के बीच आगरा की सेंट्रल जेल ले जाया गया।

लेकिन इस कहानी का सबसे भावुक और ऐतिहासिक मोड़ तब आया, जब सुल्ताना के मुकदमे के दौरान शिकारी और शिकार यानी सुल्ताना और फ्रेडी यंग के बीच एक अजीब और गहरी दोस्ती पनप गई। फ्रेडी यंग ने तराई के जंगलों में सुल्ताना के सिद्धांतों को करीब से देखा था। वह इस बात से हैरान था कि इतने बड़े डाकू के खिलाफ एक भी ऐसा मामला नहीं था जहां उसने किसी महिला का अनादर किया हो या किसी गरीब को सताया हो।

यंग इतना प्रभावित हुआ कि उसने ब्रिटिश अदालत में सुल्ताना की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने की पुरजोर पैरवी की। उसने दलील दी कि सुल्ताना को सुधरने का मौका मिलना चाहिए। लेकिन औपनिवेशिक सरकार इस विद्रोही को बख्श कर कोई गलत मिसाल नहीं छोड़ना चाहती थी। फांसी का दिन मुकर्रर हो गया। अपनी मौत से चंद घंटे पहले, सुल्ताना ने फ्रेडी यंग को बैरक में बुलाया और अपनी अंतिम इच्छा के रूप में एक ऐसी गुजारिश की जिसने उस सख्त अंग्रेज अफसर की आंखें भी नम कर दीं। सुल्ताना ने कहा, 'साहब, मैं तो जा रहा हूं, लेकिन मेरे बेटे को इस अपराध के दलदल से बचा लेना। उसे पढ़ा-लिखाकर एक भला इंसान बनाना।' फ्रेडी यंग ने एक सच्चे दोस्त की तरह इस वादे को निभाया। सुल्ताना की मौत के बाद उसने उसके बेटे को गोद जैसी सुरक्षा दी, उसे अच्छी शिक्षा दिलाई और समाज में स्थापित किया।

अंततः 7 जुलाई 1924 को आगरा जेल की कालकोठरी में सुल्ताना डाकू और उसके प्रमुख साथियों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया। शारीरिक रूप से सुल्ताना का अंत हो गया, लेकिन वह भारतीय लोक-संस्कृति और इतिहास के गलियारों में हमेशा के लिए अमर हो गया। खुद जिम कॉर्बेट ने अपनी विश्वप्रसिद्ध पुस्तक 'My India' में एक पूरा अध्याय 'सुल्तानाः इंडियाज रॉबिनहुड' नाम से लिखा, जिसमें उन्होंने उसके प्रति गहरा सम्मान प्रकट किया। सुल्ताना के जीवन पर हॉलीवुड फिल्म 'The Long Duel' (1967) बनी, और बॉलीवुड में भी दारा सिंह (1972) अभिनीत फिल्मों सहित कई नाटक और नौटंकी आज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गाए जाते हैं। सुजीत सराफ का उपन्यास 'The Confession of Sultana Daku' भी इसी पर आधारित है।

इसलिए, राजभवन नैनीताल में प्रदर्शित उसके हथियार केवल इतिहास के उस कालखंड गवाही नहीं देते, बल्कि वे उस व्यवस्था के खिलाफ एक प्रतीक के रूप में विद्यमान हैं जो इंसानों को जन्म से अपराधी मानने की भूल कर बैठी थी।

# पशुपालन व मत्स्य पालन को बताया 'गेम चेंजर'

संवाददाता

नैनीताल। राज्य अतिथि गृह नैनीताल में ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग, खादी ग्रामोद्योग मंत्री, उत्तराखंड सरकार

भरत चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा, पीएमजीएसवाई, उद्योग, ग्राम्य विकास, खादी ग्रामोद्योग, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने पशुपालन एवं मत्स्य पालन को 'गेम चेंजर' बताया: और कहा कि उत्तराखंड की आर्थिकी को मजबूत करने में पशुपालन व मत्स्य पालन गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। उन्होंने दुग्ध उत्पादन, विपणन तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु अधिकारियों को ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग को पशु नश्ल सुधार सहित गोटवेल्ली को बढ़ाए जाने हेतु कार्य करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रमुख आधार है। बैठक में मंत्री ने खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को विशेष प्रोत्साहन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्थानीय कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक एवं बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर खादी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाए। उन्होंने जनपद में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार तथा नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु उद्योग विभाग सिंगल विंडो सिस्टम को और प्रभावी बनाए। मनरेगा की समीक्षा के दौरान मंत्री ने निर्देश दिए कि 1 जुलाई से जीरामजी प्रारंभ होने से पूर्व मनरेगा के अंतर्गत सभी पुराने बकाया भुगतान तत्काल किए जाएं। उन्होंने कहा कि मानसून काल में जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा देने हेतु 'एक पेड़ माँ के नाम' की तर्ज पर 'एक पेड़ गुरु के नाम' अभियान चलाया जाय इसे जनांदोलन का रूप दिया जाय ग्राम्य विकास मंत्री ने कहा कि सभी 'योजना स्थलों पर बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाय।उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विकास कार्यों के कार्यस्थल पर मानक के अनुरूप योजना संबंधी बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। बोर्ड न लगने पर कार्य को 'लावारिस' मानकर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति को आवास उपलब्ध कराने की कार्यवाही हो, कोई भी जरूरतमंद आवास से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पलायन रोकथाम हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि को बचाने हेतु प्रभावी 'घेरबाड़ योजना' संचालित करने के निर्देश। अधिकारियों को दिए गए। ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा के दौरान माननीय मंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं विपणन पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। लखपति दीदी' योजना के अंतर्गत महिलाओं की संख्या 23 हजार वर्तमान में जो है उन्हें लखपति बनाए रखते हुए शेष 17 हजार महिला समूहों की सदस्यों को लखपति बनाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाए जाने हेतु उन्होंने विभिन्न रोजगार परख प्रशिक्षण दिया जाय। उन्होंने कहा कि सभी विकास खण्डों में अलग अलग क्लस्टर बनाए जाय। पीएमजीएसवाई की समीक्षा के दौरान ग्राम्य विकास मंत्री ने कहा कि पीएमजीएसवाई के अंतर्गत जो भी सड़कें छूटी हैं, उनके प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में अवगत कराया कि पीएमजीएसवाई-4 अंतर्गत 63 सड़कों में से भारत सरकार द्वारा बैच प्रथम में 17 सड़कें जिनकी कुल लंबाई 93 किलोमीटर है स्वीकृति प्रदान की गई थी 125 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले इन सभी कार्यों के टेंडर भी हो गए हैं। इसी प्रकार बैच द्वितीय अंतर्गत कुल 12 सड़कें कुल 92 किलोमीटर लंबाई जिसकी कुल लागत 114 करोड़ है की स्वीकृति मिली है। जिसका प्रस्ताव भेजा गया है। इससे पूर्व जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने माननीय मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए जनपद में संचालित विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अवगत कराया कि आगामी मानसून काल में जिले में जल संरक्षण के कार्यों को प्रमुखता से प्रस्तावित किया गया है। इस दौरान जिलाधिकारी ने माननीय मंत्री के सम्मुख जिले में घर बटवारे के कारण अलग परिवारों को सौचालय आवंटित कराए जाने का अनुरोध किया गया। बैठक में विधायक नैनीताल सरिता आर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दर्जा राज्यमंत्री दिनेश आर्य, शांति मेहरा, सचिव जिला विकास प्राधिकरण मनीष कुमार,जिला विकास अधिकारी,गोपाल गिरी,एपीडी चंद्रा फर्त्याल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## संविधान हत्या दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में

लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान करते हुए कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार द्वारा सत्ता बचाने के लिए नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया तथा संविधान की मूल भावना को आघात पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान इन मूल अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया गया, किंतु देश की जागरूक जनता ने लोकतांत्रिक माध्यमों से इसका जवाब देते हुए लोकतंत्र की पुनर्स्थापना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि को 16 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। साथ ही, आपातकाल के दौरान जेल गए लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके आश्रित जीवनसाथियों को विशेष पहचान-पत्र भी जारी किए गए हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बिष्ट, भाजपा के प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार मौजूद थे।

## सड़क हादसे में घायल युवक की सूचना विभाग टीम ने बचाई जान

रुद्रप्रयाग। बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप शिवनंदी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा गए। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, इसी दौरान विभागीय कार्य से रुद्रप्रयाग लौट रहे अपर जिला सूचना अधिकारी के.एल. टम्टा, फोटोग्राफर भुवनेश्वर नेगी तथा चालक संजय सिंह घटनास्थल से गुजर रहे थे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को तुरंत समझते हुए बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान अपर जिला सूचना अधिकारी के एल टम्टा द्वारा तत्काल पुलिस ,जिला आपदा कंट्रोल रूम और 108 एंबुलेंस सेवा को दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही संबंधित टीमें सक्रिय हुईं मौके पर पहुची 108 की टीम द्वारा घायल चालक को प्राथमिक उपचार देने के बाद 108 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार शुरू कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग की टीम भी शीघ्र मौके पर पहुंच गई और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। सूचना विभाग की टीम द्वारा दिखाई गई तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीय पहल ने समय पर घायल युवक को उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## मत्स्य पालकों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर जिलाधिकारी का जोर

चम्पावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मत्स्य विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, मत्स्य पालकों के कल्याण तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए वार्षिक फिश प्रोडक्शन का अद्यतन डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्लस्टर आधारित मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने तथा भारत सरकार को नई मत्स्य विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने मत्स्य विपणन को सुदृढ़ बनाने हेतु आईटीबीपी, एसएसबी के साथ-साथ होटल एवं होम-स्टे संचालकों के साथ एमओयू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ट्रॉउट मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हैचरी स्थापना हेतु भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मत्स्य पालकों के बीच रुएनएसपीएएडी (छंजपवदंस नैनतअमपस. संदबम च्तवहतंउउम वित ुनंजपब ।दप. उंस क्पेमेंमे) योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की इस योजना का उद्देश्य मछलियों एवं झींगों में होने वाली बीमारियों की समय पर पहचान कर उनके प्रसार को रोकना है। योजना के अंतर्गत विकसित मोबाइल ऐप के माध्यम से मत्स्य पालक बीमार मछलियों की फोटो एवं विवरण अपलोड कर विशेषज्ञों से परामर्श और समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अधिक से अधिक मत्स्य पालकों को इस योजना से जोड़ने के निर्देश दिए।

# देश में मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए किए जा रहे सामूहिक राष्ट्रीय प्रयासों की समीक्षा

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित यह बैठक, प्रधानमंत्री मोदी के नशामुक्त भारत के विजन को साकार करने के सरकार के प्रयासों को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। यह बैठक हाइब्रिड मोड में 44 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगी। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री "मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)" जारी करेंगे। केन्द्र सरकार के संबंधित विभागों, मादक पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया यह विजन डॉक्यूमेंट, ड्रग की समस्या से निपटने के लिए मांग कम करने, आपूर्ति कम करने और नुकसान कम करने के पहलुओं पर एक साझा रोडमैप प्रदान करेगा। इस रोडमैप में नेटवर्क-केंद्रित प्रवर्तन (enforcement) अप्रोच की परिकल्पना की गई है। साथ ही, इसमें अगले तीन वर्षों के दौरान सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के जरिए होने वाली तस्करी की चुनौतियों से निपटने, युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने, और ड्रग्स का इस्तेमाल करने वालों के लिए इलाज व पुनर्वास केंद्रों की पहुँच बढ़ाने जैसे उपाय भी शामिल हैं, जिन्हें समन्वित और निरंतर तरीके से लागू किया जाएगा। यह दस्तावेज सभी हितधारकों की जिम्मेदारियों, समय-सीमाओं एवं लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए, प्रवर्तन, मांग में कमी, पुनर्वास, जन-जागरूकता, क्षमता निर्माण और अंतर-एजेंसी समन्वय को एकीकृत करता है। यह विजन डॉक्यूमेंट देश भर में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए नीति बनाने, उसे लागू करने और संस्थागत मजबूती लाने के काम में एक मार्गदर्शक रूपरेखा के तौर पर काम करेगा। इस अवसर पर श्री अमित शाह एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट -2025 जारी करेंगे और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे। ''ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन'' नशीले पदार्थों को नष्ट करने का एक विशेष अभियान है। इस पखवाड़े के दौरान, देशभर में अलग-अलग केन्द्रीय और राज्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कानून के अनुसार लगभग 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाने की उम्मीद है, जिनकी कीमत 6,000 करोड़ है।

यह बैठक देश में मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए सभी सम्बन्धित हितधारकों द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों की व्यापक समीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए एक मंच प्रदान करेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से सहभागी राज्यों, विभागों एवं एजेंसियों को नशीले पदार्थों पर प्रभावी नियंत्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए नए उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी। देश में मादक पदार्थों की समस्या से प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए ¶Whole&of &Government Approach¸ की आवश्यकता पर बल देते हुए, यह उच्च-स्तरीय बैठक आगामी तीन वर्षों में देशभर में मादक पदार्थ तस्करी एवं मादक पदार्थों के दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध अपनाई गई 'जीरो टॉलरेंस नीति' को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण बैठक साबित होगी।

# राज्य की 96 बसावटों को पहली बार बारहमासी सड़क संपर्क मिलेगा

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-IV के तहत वित्त वर्ष 2026-27 के बैच-I में त्रिपुरा राज्य के लिए 163.872 किलोमीटर लंबाई की 96 सड़क परियोजनाओं को 211.71 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मंजूरी प्रदान की है।

इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य की 96 बसावटों को पहली बार बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे इन क्षेत्रों के लोगों को स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं और ग्रामीण बाजारों तक बेहतर पहुंच मिल सकेगी, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा तथा राज्य में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को और मजबूत किया जा सकेगा। ये परियोजनाएं विकसित भारत के निर्माण के सरकार के संकल्प को भी आगे बढ़ाने में सहायक होंगी।

इन नई स्वीकृतियों के अतिरिक्त, अब तक पीएमजीएसवाई के तहत त्रिपुरा राज्य में 6,284 किलोमीटर लंबाई की 1,594 सड़क परियोजनाओं तथा 66 पुलों को मंजूरी दी जा चुकी है, जिनकी कुल लागत 4,479 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को सुदृढ़ करने और समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# शीघ्र होगा 28.06 करोड से सम्पूर्ण इन्द्रेश नगर वार्ड की सीवर लाइनो का कायाकल्प

देहरादून। समाज कल्याण मंत्री खजानदास ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र राजपुर के इन्द्रेश नगर वार्डवासियों को बड़ा तोहफा देते हुये शिवा सेनेट्री कावली रोड, शिवा सेनेट्री मालवीय रोड, महन्त रोड़, जाटव जी वाली गली इन्द्रेश नगर, पानी की टंकी इन्द्रेश नगर, छोटा जटिया मौहल्ला इन्द्रेश नगर, मुख्य मार्ग इन्द्रेश नगर आदि क्षेत्रो में क्षतिग्रस्त सीवर लाइनों को बदलने के कार्यों का भूमि पूजन कर क्षेत्रवासियों को रु० 1.14 करोड़ से अधिक कार्यों की सौगात दी जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। गौरतलब है क्षेत्रवासियों द्वारा पिछले कुछ समय से उपरोक्त क्षेत्रों में सीवर लाइनों के सुधारीकरण की मॉग की जा रही थी जिसका जनहित में तत्काल संज्ञान लेते हुये समाज कल्याण मंन्त्री ने अधिकारियों को क्षेत्र की क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं के पुनर्निर्माण हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिये, जिस पर काबिना मंन्त्री द्वारा जनहित में शासन से तुरन्त रुपये 1.14 करोड़ की स्वीकृति दिलाते हुये आज निर्माण कार्यों का भूमि पूजन करजनमानस की समस्याओं का समाधान किया। काबिना मंन्त्री श्री दास ने कहा कि इन्द्रेश नगर के सम्पूर्ण वार्ड में सीवर संबध ी समस्याओ के निवारण हेतु पूरी सीवर लाइन बदलने के कार्य को माननीय मुख्यमंन्त्री जी द्वारा अपनी घोषणाओ मे सम्मिलित कर लिया गया जिसके आधार पर जल संस्थान द्वारा 28.06 करोड़ का प्राक्कलन शासन को प्रेषित कर दिया गया है जिस पर शीघ्र ही मुख्यमन्त्री जी की घोषणा के अनुरूप स्वीकृति प्राप्त हो जायेगी।

इस अवसर पर श्री दास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुये विभाग को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिये कि निर्माण कार्य हर हाल में समय अवधि में पूरे किये जाय तथा गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोई कमी न हो, गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाये जाने पर संबधित अधिकारियों को बख्शा नहीं जायेगा। श्री दास ने कहा कि भाजपा सरकार की जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु स्पष्ट निति है तथा प्रदेश के युवा यशस्वी धाकड़ मुख्यमंन्त्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश के विकास हेतु एक विजन के रूप में काम कर रहे है और सदैव विकास कार्यों पर आपनी पैनी नजर रखते है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी यह गलतफहमी न पाले की उनके ऊपर कोई नजर नहीं रखता है, मुख्यमंत्री जी स्वयं समय-समय पर क्षेत्र की हर एक निर्माणाधीन योजनाओं उनकी गुणवत्ता एवं क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी लेते रहते हैं। मंत्री श्री दास ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री की त्वरित कार्यशैली का ही परिणाम है कि आज हर एक विकास कार्य समय अवधि में पूर्ण हो रहे हैं जिससे एक ओर सरकारी धन की बचत होती है वहीं दूसरी और जनमानस को समय पर तमाम विकास योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री धामी की स्पष्ट एंव पारदर्शी नीति का ही फल है कि आज तमाम विकास कार्यों को समय से स्वीकृतियां प्राप्त हो रही है, तथा निर्माण कार्य में होने वाले अनावश्यक विलम्ब के कारण निर्माण कार्य की लागत मे होने वाली वृद्धि पर भी अंकुश लगा है। इस अवसर पर निदेशक गढ़वाल मण्डल विकास निगम विशाल गुप्ता, श्रीमती मित्रा, पूर्व दायित्वधारी रविन्द्र कटारिया, पार्षद मनोज जाटव, मण्डल अध्यक्ष पंकज शर्मा, अनुराग अग्रवाल, अरविन्द गोयल तमाम भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान आशीष भट्ट सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

# जिलाधिकारी ने त्वरित सहायता एवं सभी सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

देहरादून। महिलाओं के प्रति हिंसा की घटनाओं पर संवेदनशीलता दिखाते हुए जिला प्रशासन ने सखी वन स्टॉप सेंटर को और अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। समाधान दिवस के दौरान महिलाओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने सखी वन स्टॉप सेंटर को एक्टिव मोड में संचालित करने तथा हिंसा से पीड़ित महिलाओं को त्वरित एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है कि देहरादून में सर्वे चौक के निकट कामकाजी महिला छात्रावास परिसर में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं पुनर्वास से संबंधित सभी सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, शोषण अथवा किसी भी प्रकार की हिंसा से प्रभावित महिलाओं को बिना विलंब आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि जनपद में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। केंद्र के माध्यम से हिंसा से पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, पुलिस सहायता, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक परामर्श, रेस्क्यू सेवा, विधिक सहायता तथा अस्थायी आश्रय जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र का उद्देश्य संकट की स्थिति में महिलाओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। इसके साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध सरकारी सहायता तंत्र के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने महिलाओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा संकट की स्थिति में वे बिना किसी संकोच के सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं का लाभ उठाएं। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पीड़ित महिला को समयबद्ध, संवेदनशील एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

## केवीएम स्कूल में लगी आग, धू-धू कर जलने लगी बिल्डिंग

हल्द्वानी। मुखानी क्षेत्र में स्थित केवीएम स्कूल में मंगलवार शाम को आग लगने की घटना सामने आई है। स्कूल में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। बताया जा रहा है कि शुरुआत में आग स्कूल भवन के एक हिस्से में लगी, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी हुई है। आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

# जब लड़कियों में फरीदा जलाल को जीत मिली

''मैं फरीदा के साथ रोमांस कैसे कर सकता हूं? वो तो मेरी बेटी का रोल निभा चुकी है।'' धरम जी ने ये बात तब कही थी जब उन्हें बताया गया था कि जीवन मृत्यु(1970) में उनकी हीरोइन फरीदा जलाल होंगी। जबकी फरीदा बहुत खुश थी कि उन्हें धर्मेंद्र के अपोजिट लिया जा रहा है इस फिल्म में। मगर चूंकि बहारों की मंजिल(1968) में फरीदा जलाल ने धर्मेंद्र की बेटी का किरदार निभाया था, तो उन्होंने ष्जीवन मृत्युष में फरीदा का हीरो बनने से मना कर दिया। नतीजा ये हुआ कि फरीदा जलाल की जगह राखी गुलजार को जीवन मृत्यु में धर्मेंद्र के अपोजिट लिया गया। एक इंटरव्यू में फरीदा जलाल जी ने बताया था कि जब उन्हें पता चला था कि धर्मेंद्र उनके हीरो होंगे. तो वो बड़ी खुश हुई। रात को सो नहीं सकी थी एक्सायटमेंट में। मगर धरम जी के इन्कार करने से उन्हें बहुत दुख हुआ। बाद में जब भी फरीदा जलाल धरम जी से मिलती तो मजाक में यही कहती कि आपकी वजह से मैं हीरोइन नहीं बन पाई। और धरम जी प्यार से फरीदा जलाल का माथा चूम लिया करते थे। धरम जी के बारे में फरीदा जलाल ने ये भी कहा था कि वो पुराने ख्यालों के व्यक्ति थे। जो अपने व दूसरों मान-सम्मान का बहुत ख्याल रखते थे। फरीदा जलाल भी उसी प्रतियोगिता की विजेता थी जिसमें राजेश खन्ना विजेता बने थे। लड़कों में राजेश खन्ना विजेता थे। लड़कियों में फरीदा जलाल को जीत मिली थी। फिल्मफेयर ने वो प्रतियोगिता आयोजित कराई थी। उसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने कभी धरम जी भी मुंबई आए थे। हालांकि धरम जी विजेता नहीं बन सके थे। लेकिन असल जिंदगी के विजेता तो धरम जी ही थे। उस कॉन्टेस्ट में पहले स्थान पर कौन रहा था ये भी लोगों को पता नहीं होगा। कोई शशि कपूर थे उस साल के विजेता। और वो पृथ्वीराज कपूर के पुत्र नहीं थे।

एनिवे, हम बात कर रहे थे फरीदा जलाल जी के बारे में। वो प्रतियोगिता जीतने के बाद फरीदा जलाल को राजश्री प्रोडक्शन ने अपनी फिल्म तकदीर(1967) में हीरोइन के रोल में साइन किया।

तकदीर में फरीदा जी के साथ जलाल आगा व सुभाष घई का भी डेब्यू हुआ था। जबकी फरीदा जी के साथी विजेता रहे राजेश खन्ना साहब का डेब्यू 1966 की आखिरी खत फिल्म से ही हो गया था। उनके बारे में बात करते हुए फरीदा जलाल ने कहा था कि अराधना में उन्होंने काका के साथ काम किया था। और वो भी एक यादगार वक्त था। बकौल फरीदा जलाल,''अराध ना'' रॉक्सी सिनेमा में चल रही थी। जबकी ष्दो रास्ते'' ओपेरा हाउस में दिखाई जा रही थी। दोनों फिल्में ब्लॉकबस्टर थी। देखते ही देखते काका सुपरस्टार बन गए। काका जैसा स्टारडम वाकई किसी का नहीं रहा। फरीदा जी ने कहा था कि हां, काका थोड़े एरोगेंट तो थे। अराध ना की शूटिंग के दौरान जब फरीदा काका से रिहर्सल्स करने को कहती थी तो काका चिढ़ जाते थे। कहते थे,ष्कितनी रिहर्सल्स करनी पड़ेगी?ष मगर रिंकु दी यानि शर्मिला टैगोर फरीदा जलाल के साथ बहुत सपोर्टिव थी। वो काका से कहती थी,ष्फरीदा को जितनी बार रिहर्सल करनी है, तुम्हें भी करनी पड़ेगी।ष्अराधना की शूटिंग के दौरान काका और शर्मिला टैगोर के बीच थोड़ी खटपट हुई थी। मगर वक्त के साथ इन दोनों के रिश्ते बेहतर हो गए। अराधना की सक्सेस को सेलिब्रेट करने के लिए शक्ति सामंत ने कई इवेंट्स ऑर्गनाइज कराए थे। काका और फरीदा जलाल को भी उन इवेंट्स में जाना पड़ता था। इतना वक्त साथ रहने के दौरान काका और फरीदा जलाल के दिलों में जो दूरियां थी वो खत्म हो गई। काका का जलवा ऐसा कायम हुआ था अराधना के बाद कि वो जहां भी जाते, लड़कियां उनके पास आने के लिए भीड़ लगा लेती। तब मजाक में काका फरीदा जलाल से कहते थे,ष्देखा, लड़कियां कितनी क्रेजी हो रही हैं मेरे लिए। आपने घास नहीं डाली तो क्या हुआ।'' जवाब में फरीदा जलाल मुस्कुराकर उनसे कहती,''मान गए।

# मिथुन फिल्म इंडस्ट्री के टॉप स्टार्स में से एक बन गए

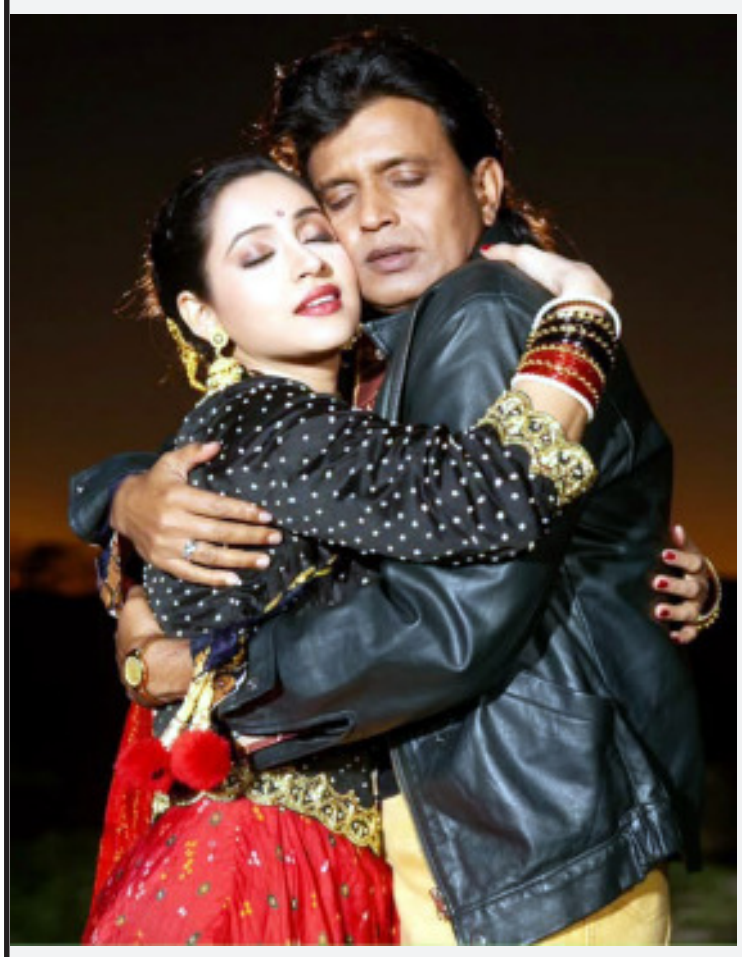

''तुम्हारा कुछ नहीं हो सकता। तुम अपने घर कलकत्ता लौट जाओ तो बढ़िया रहेगा।'' हरमेश मल्होत्रा ने किसी जमाने में मिथुन चक्रवर्ती से ये बात कही थी। लेकिन समय का पहिया आगे बढ़ा। और कुछ ही सालों में मिथुन फिल्म इंडस्ट्री के टॉप स्टार्स में से एक बन गए। तब हरमेश मल्होत्रा खुद आए मिथुन दा के पास अपनी फिल्म में काम करने की रिक्वेस्ट लेकर। और मिथुन दा ने उन्हें निराश नहीं किया। उन्होंने हरमेश मल्होत्रा की इस फिल्म में काम करने की हामी भर दी। इस फिल्म का नाम है चीता। 24 जून 1994 को रिलीज हुई एक फिल्म जिसने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था। बॉक्स ऑफिस इंडिया के अनुसार, 1 करोड़ 85 लाख रुपए के बजट में बनी चीता ने 3 करोड़ 61 लाख रुपए की नेट कमाई की थी। ये फिल्म सेमी-हिट कहलाई थी। आज चीता को रिलीज हुए 32 साल पूरे हो गए। इस फिल्म में मिथुन दा के अपोजिट एक्ट्रेस अश्विनी भावे ने काम किया था। हालांकि उनसे पहले एक्ट्रेस मधू से बात की गई थी। लेकिन चूंकि वो बिजी थी उन दिनों तो उन्होंने इस फिल्म में काम करने से मना कर दिया।

इस फिल्म में एक गाना है जो काफी कंट्रोवर्सियल रहा था उस वक्त। वो गाना ईला अरुण जी व पूर्णिमा जी ने गाया था। उस गाने के बोल थे ''मन की चिड़िया बोले चू चू चू।'' इन्हीं बोलों की वजह से गाने को लेकर उस वक्त तरह-तरह की बातें हुई थी। कुछ लोगों ने सेंसर बोर्ड से गाना बैन करने की भी मांग की थी। लेकिन गाना बैन नहीं हुआ था। हालांकि गाने में बदलाव जरूर किया गया था। नए बोल थे श्मन की चिड़िया बोले कू कू कू।श चीता के संगीतकार थे जतिन-ललित। इस फिल्म का एक गाना बहुत पसंद भी किया गया था। अल्का याज्ञिनक व कुमार सानू ने उस गाने को गाया था। गाने के बोल हैं ष्ये तेरा सजना संवरना बिन साजन के बेकार है।ष ये गाना अनवर सागर ने लिखा था। चीता फिल्म से एक और अनवर भी जुड़े थे। उनका नाम था अनवर खान। उन्होंने चीता के डायलॉग्स लिखे थे। चीता के प्रोड्यूसर थे राजीव बब्बर। जबकी स्टोरी व स्क्रीनप्ले लिखे थे राजीव कपूर ने। ये जो चू चू चू गाना था, ये मनोज दर्पण ने लिखा था। कुल छह गीत थे इस फिल्म में। मनोज दर्पण, अनवर सागर व जमीर काजमी ने एक-एक गीत लिखा था इस फिल्म। जबकी अन्य तीन गीत देव कोहली ने लिखे थे। चीता एक हॉलीवुड फिल्म हार्ड टू किल का रीमेक थी। उसी हॉलीवुड फिल्म को 1995 में रामशास्त्र के नाम से फिर से रीमेक किया गया जिसमें जैकी श्रॉफ हीरो थे। 1996 में आई सुनील शेट्टी की रक्षक की कहानी भी उसी हॉलीवुड फिल्म से प्रेरित थी। यानि बैक टू बैक लगातार तीन सालों तक हार्ड टू किल फिल्म को हिंदी में रीमेक किया गया था।

# तबाही का मंजर: वेनेजुएला में भुकंप से 188 लोगों की मौत

कारकास: लैटिन अमेरिका के देश वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई है। महज एक मिनट के भीतर आए दो शक्तिशाली भूकंप में 188 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 1500 से अधिक लोग घायल बताये जा रहे हैं। दोनों भुकंप की तीव्रता 7.2 और 7.5 आंकी गयीह है। वो एक मिनट वेनेजुएला पर कहर बनकर टूटी है। दर्जनों बहुमंजिला इमारत ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह गयी। अभी भी हजारों लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बतायी जा रही है और लापता लोगों की सूची तैयार की जा रही है।बताया जा रहा है कि पहले भूकंप का केंद्र जमीन से 22 किलोमीटर नीचे था। ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया जिसकी गहराई 10 किलोमीटर थी और इसका केंद्र मोरोन से 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। ये अंमित भुकंप पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक था। जिसने सैंकड़ों इमारतों को जमींदोज कर दिया। कहा जा रहा है कि गुरूवार के दिन वहां छुट्टी थी और ज्यादातर लोग अपने घरों में थे।वेनेजुएला में इस भीषण आपदा की घड़ी में कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने ला गुआइरा को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए उन्होंने सरकारी मशीनरी के साथ निजी कंपनियों से भी मदद मांगी है और मिलकर इस आपदा से निपटने की बात कही है। इस विनाशकारी भूकंप ने आवश्यक सेवाओं को बाधित कर दिया है। राजधानी कराकास और ला गुआइरा में एयरपोर्ट बंद कर दिये गये हैं। मेट्रो सेवाएं भी रद्द कर दी गई हैं।

स्कूलों को आश्रय स्थल में बदल दिया गया है और पीड़ितों को वहां रखा जा रहा है।वेनेजुएला के साथ दुख की इस घड़ी में दुनियाभर के देश मदद के लिए आगे आ रहे हैं। अमेरिका ने 150 मिलियन डॉलर की राशि को अधिकृत किया है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और सहायता संगठनों के लिए धन राशि शामिल है, साथ ही आपदा प्रतिक्रिया दल और शहरी खोज और बचाव इकाइयों को तैनात किया गया है। इतना ही नहीं अमेरिकी सेना ने राहत कार्यों में सहायता के लिए दो युद्धपोत, परिवहन विमान और हेलीकॉप्टर भेजने की भी घोषणा की है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वेनेजुएला में भूकंप से हुई तबाही पर दुख जताया। पीएम ने एक्स पर लिखा कि भारत के लोगों की ओर से मैं वेनेजुएला की सरकार और खासकर उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

वहीं मेक्सिको, कोलंबिया, स्पेन, फ्रांस, इटली, इक्वाडोर, पनामा और अल सल्वाडोर सहित कई देशों ने बचाव दल, चिकित्सा कर्मी, खोजी कुत्ते, विमान और आपातकालीन उपकरण भेजने का वादा किया है।

## 1400 साल पहले 10 मुहर्रम को इमाम हुसैन ने 72 साथियों संग दिया था हक का पैगाम, फरात के किनारे लिखी गई थी शहादत की इबारत

रुड़की/पिरान कलियर शरीफ । आज से करीब 1400 साल पहले, सन 61 हिजरी में इस्लाम के इतिहास की सबसे दर्दनाक और प्रेरणादायक जंग कर्बला के मैदान में लड़ी गई थी। यह कोई सत्ता की लड़ाई नहीं थी। यह जुल्म के खिलाफ इंसाफ, झूठ के खिलाफ सच और तानाशाही के खिलाफ हक की आवाज थी। इसी कुर्बानी की याद में दुनिया भर में मुहर्रम मनाया जाता है।

हजरत मोहम्मद साहब के वफात के बाद इस्लामी हुकूमत में खलीफाओं का दौर चला। चौथे खलीफा हजरत अली के बाद मुआविया शाम के शासक बने। मुआविया की मौत के बाद उनके बेटे यजीद ने जबरन गद्दी संभाल ली। यजीद के अंदर वे तमाम अवगुण थे जो इस्लामी शासक में नहीं होने चाहिए। शराब, जुआ, जुल्म और इस्लामी उसूलों की खुली मुखालफत उसकी पहचान थी।

यजीद को अपनी हुकूमत को जायज ठहराने के लिए इमाम हुसैन की बैअत चाहिए थी। इमाम हुसैन हजरत मोहम्मद साहब के नवासे और हजरत अली व फातिमा के बेटे थे। पूरे अरब में उनकी दीनदारी, सचाई और किरदार की मिसाल दी जाती थी। यजीद जानता था कि अगर हुसैन ने उसे खलीफा मान लिया तो पूरी उम्मत मान लेगी।

इमाम हुसैन ने दो टूक में कहा: ष्मैं तुझ जैसा यजीद की बैअत नहीं कर सकता।ष उन्होंने साफ कर दिया कि यजीद की हुकूमत इस्लाम के बुनियादी उसूलों के खिलाफ है। लेकिन इमाम हुसैन मदीना में खून-खराबा नहीं चाहते थे। अमन के लिए उन्होंने 28 रजब 60 हिजरी को हमेशा के लिए नाना का शहर मदीना छोड़ दिया। साथ में उनका परिवार था- बीवियां, बहन जैनब, बेटे अली अकबर, अली असगर, बेटियां और करीब 50 साथी।

कूफा वालों ने इमाम हुसैन को सैकड़ों खत लिखकर बुलाया कि आप आएं, हम आपके साथ हैं। इमाम हुसैन कूफा के लिए रवाना हुए। लेकिन रास्ते में ही खबर मिली

कि कूफा के लोगों ने यजीद के गवर्नर उबैदुल्लाह इब्ने जियाद के डर से धोखा दे दिया है। इमाम के सफीर मुस्लिम बिन अकील को शहीद कर दिया गया।

2 मुहर्रम 61 हिजरी को इमाम हुसैन का काफिला कर्बला के मैदान में पहुंचा। यहीं यजीद की 4000 की फौज ने उन्हें घेर लिया। कमांडर हुर ने रास्ता रोका। इमाम ने कहा, ष्मुझे जाने दो, मैं वापस हिजाज चला जाऊंगा या किसी सरहद पर चला जाऊंगा।ष लेकिन हुक्म था कि या तो बैअत करो या जंग के लिए तैयार हो जाओ।

इमाम हुसैन ने फुरात नदी के किनारे खेमे लगा दिए। 7 मुहर्रम को यजीदी फौज के कमांडर अम्र बिन हज्जाज ने 500 सवारों के साथ नदी पर पहरा बिठा दिया। इमाम के खेमों में छोटे-छोटे बच्चे थे। 6 माह के अली असगर प्यास से तड़प रहे थे। 7, 8, 9 मुहर्रम- तीन दिन तक एक बूंद पानी नसीब नहीं हुआ। गर्मी में इराक का तापमान 50 डिग्री के पार था। रेत तप रही थी।

9 मुहर्रम की शाम यजीदी फौज ने हमले का एलान किया। इमाम हुसैन ने एक रात की मोहलत मांगी। पूरी रात इबादत, तिलावत और दुआ में गुजरी। इमाम ने अपने साथियों से कहा, ष्ये लोग सिर्फ मुझे चाहते हैं। अंधेरा है, तुम सब चले जाओ।ष लेकिन 72 जानिसारों ने कहा, ष्औला, हम आपको छोड़कर जन्नत भी नहीं जाएंगे।ष

सुबह फज्र के बाद जंग शुरू हुई। इमाम के साथी एक-एक कर मैदान में गए। हजरत अब्बास, जो इमाम के भाई और अलमबरदार थे, बच्चों के लिए पानी लेने गए। फुरात तक पहुंचे, मश्क भरी, पर खुद पानी नहीं पिया। लौटते वक्त दुश्मनों ने दोनों बाजू काट दिए, मश्क में तीर मार दिया और शहीद कर दिया।

अली अकबर, जो शक्ल-सूरत में नाना हजरत मोहम्मद से सबसे ज्यादा मिलते थे, शहीद हुए। 6 माह के अली असगर को इमाम हुसैन ने गोद में उठाकर पानी मांगा, तो हरमला ने तीर से उस मासूम का गला छेद दिया।

असर की नमाज के बाद इमाम हुसैन अकेले बचे। 33 नेजों, 34 तलवारों और अनगिनत तीरों के जख्म खाकर सजदे की हालत में शहीद हो गए। शाम होते-होते खेमों में आग लगा दी गई। औरतों और बच्चों को कैदी बना लिया गया। इस पूरी जंग में इमाम हुसैन के बेटे इमाम जैनुलआबेदीन बीमार होने के कारण बच गए। 10 मुहर्रम को बुखार में थे, इसलिए जंग में नहीं जा सके। कैद के बाद उन्हीं से हजरत मोहम्मद साहब की नस्ल आगे चली। बीबी जैनब ने यजीद के दरबार में खुत्बा देकर कर्बला का पैगाम दुनिया तक पहुंचाया।

कर्बला सिर्फ एक जंग नहीं, एक यूनिवर्सिटी है। यह सिखाती है कि तादाद मायने नहीं रखती, हक मायने रखता है। 72 लोग हजारों पर भारी पड़े क्योंकि वे सच के साथ थे। इमाम हुसैन ने कुर्बान होकर बता दिया कि ष्जिंदा रहना है तो यजीद की तरह मत जियो, और मरना है तो हुसैन की तरह मरो।ष इसीलिए मुहर्रम गम का महीना है, पर मातम का नहीं- पैगाम का है। यह हमें याद दिलाता है कि जुल्म के आगे सिर झुकाना हराम है, चाहे जान ही क्यों न चली जाए।

## गुरु परंपरा की अलख जगाएंगे स्वामी सूर्यदेव, हरिद्वार से वृजघाट और जींद तक होंगे भव्य धार्मिक आयोजन

हरिद्वार । भूपतवाला स्थित रानी गली नंबर-4 में श्री सत्य सूर्य निकेतन ट्रस्ट द्वारा परम पूज्य, प्रातः स्मरणीय, परम विरक्त शिरोमणि श्री 108 स्वामी सत्यदेव महाराज जी की पावन स्मृति में 37वें महोत्सव एवं गुरुदेव की मूर्ति स्थापना के

16वें वर्ष के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। व्याकरण वेदान्ताचार्य स्वामी सूर्यदेव जी के सान्निध्य में संत-महामंडलेश्वरों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य गरीबदास जी की वाणी के अखंड पाठ, हवन-यज्ञ, श्रद्धांजलि सभा एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

श्रद्धांजलि समारोह में वक्ताओं ने स्वामी सत्यदेव महाराज जी के त्याग, तपस्या और लोककल्याणकारी जीवन को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने आध्यात्मिक साधना और मानव सेवा के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान की।

इसी क्रम में व्याकरण वेदान्ताचार्य स्वामी सूर्यदेव जी ने वर्ष भर आयोजित होने वाले आगामी धार्मिक आयोजनों की जानकारी देते हुए बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत 28 जुलाई 2026, मंगलवार को श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ किया जाएगा तथा 29 जुलाई, बुधवार को प्रातः 10 बजे पाठ का भोग, गुरु पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

वहीं कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन 22 से 24 नवंबर 2026 तक श्री सत्य सूर्य निकेतन, मोदी भवन के सामने वाली गली, गली नंबर-2, वृजघाट, जनपद हापुड़ (उत्तर प्रदेश) में किया जाएगा। 22 नवंबर को गरीबदासीय ग्रंथ साहिब का प्रकाश, 23 नवंबर को मध्य का भोग तथा 24 नवंबर को हवन, संपूर्ण भोग एवं संत-महापुरुषों तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

इसके अतिरिक्त स्वामी सत्यदेव महाराज जी की 38वीं पुण्यतिथि (बरसी महोत्सव) 1 से 3 अप्रैल 2027 तक मलूकदास का डेरा, ग्राम नंगूरा, जिला जींद (हरियाणा) में आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय कार्यक्रम में गरीबदासीय ग्रंथ साहिब का पाठ, मध्य का भोग, हवन तथा संत-महापुरुषों एवं भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

स्वामी सूर्यदेव जी ने सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तों से इन पावन आयोजनों में सम्मिलित होकर गुरु परंपरा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा पुण्य लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331
हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia